थे छो रिद्धि सिद्धि का सिरताज म्हारे घर आवो जी गणराज

थे छो रिद्धि सिद्धि का सिरताज,
म्हारे घर आवो जी गणराज,
आवो जी गणराज,
ज्ञान बताओ जी गणराज,
थे हो रिद्धि सिद्धि का सिरताज,
म्हारे घर आवो जी गणराज।bd।

शिव पार्वती का लाला,
थारे गल वेजंती माला,
करो थे सबका पूर्ण काज,
म्हारे घर आवो जी गणराज।bd।

थाने सिमरू सबसे पहली,
दिज्यो बता ज्ञान की गैली,
नही मने बुद्धि को अंदाज,
म्हारे घर आवो जी गणराज।bd।

झठे घूम जाई थाको घोटो,
जी भठे काई बात को टोटो,
बिको सबसे न्यारों मिजाज,
म्हारे घर आवो जी गणराज।bd।

गढ़ रणतभंवर का राजा,
म्हारी नैया पार लगाजा,
बचा डूबी समंदर में जहाज,
म्हारे घर आवो जी गणराज।bd।

भक्त भगवान सहाय पर झांको,
सिर पर हाथ मेल दयो थांको,
रखो बाना की लाज,
म्हारे घर आवो जी गणराज।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

थे छो रिद्धि सिद्धि का सिरताज,
म्हारे घर आवो जी गणराज,
आवो जी गणराज,
ज्ञान बताओ जी गणराज,
थे हो रिद्धि सिद्धि का सिरताज,
म्हारे घर आवो जी गणराज।bd।

गायक – कवि भगवानसहाय सैन।
प्रेषक – मोहित मंडावरिया।
9351417345

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com